कितने न भाग्यशाली हम...

जो परमात्म श्रेष्ठ मत को समझ पाये...!

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी गीता दीदी,माउण्ट आबू

गतांक से आगे...

बाबा(परमात्मा) हमें कहते हैं कि जो कुछ पढ़ा है, सुना है वो भूल जाओ। मैं जो कहता हूँ, मैं जो सुनाता हूँ वही सुनो। क्यों बाबा हमें ऐसे कहते हैं क्योंकि केवल परमात्मा ही सत्य है और केवल परमात्मा ही आकर सारे सत्य हमारे सामने स्पष्ट करते हैं। जीवन के अनेक पहलू हैं और हर पहलू के सम्बन्ध में दुनिया वालों के सामने चाहे आत्मा के बारे में हो, परमात्मा के बारे में हो, लोक-परलोक, जन्म-मरण, सुख-दुःख, कर्म-कर्मफल, पुरुषार्थ-प्रालब्ध, स्वर्ग-नर्क, जितनी भी बातें हैं उनके सामने अनेक मत हैं। इसलिए बाबा कहते हैं कि भटक रहे हैं, धक्के खाते हैं हमें कितना बाबा का शुक्रिया मानना चाहिए और अपने आप पर भी नाज़ होना चाहिए कि हमने ये समय, संगम का कल्याणकारी समय पहचान लिया।

जब भगवान आकर सत्य ज्ञान देते हैं, श्रीमत देते हैं, सद्बुद्धि देते हैं इसलिए बाबा का आना, हमें ज्ञान देना, श्रीमत देना यही बाबा की सबसे बड़ी कृपा हम बच्चों पर है। और हम बच्चों को इसलिए भी अपने ऊपर नाज़ होना चाहिए कि भगवान की श्रीमत सबको सुनाई जा रही है लेकिन हम वो विशेष आत्मायें हैं, ड्रामा की हीरो पार्टधारी आत्मायें हैं, भाग्यशाली आत्मायें हैं जिन्होंने भगवान की श्रेष्ठ मत को परख लिया और अपने जीवन के लिए स्वीकार कर लिया। ये कुछ दिनों के लिए नहीं, कुछ घटना के सम्बन्ध में नहीं, कुछ प्रॉब्लम में हैं इसलिए नहीं लेकिन बाबा सत्य है, उनकी श्रीमत सत्य है, उसपर चलने में हमारा कल्याण है ये बात समझकर हमने उनको जीवन के लिए स्वीकार कर लिया है।

तो बाबा स्वयं निराकार है लेकिन उनका प्रत्यक्ष रूप श्रीमत के रूप में हमारे सामने है, मुरली(ज्ञान) के रूप में हमारे सामने है क्योंकि मुरली के द्वारा हमें स्पष्ट श्रीमत का ज्ञान मिलता है इसलिए शास्त्रों में, भक्ति में भी मुरली का इतना जादू और महत्त्व दिखाया गया भागवत के अन्दर, क्योंकि भगवान जब प्रैक्टिकल संसार परिवर्तन का कार्य करने आते हैं तो वो हम साधारण मनुष्य आत्मायें जिसका गोप-गोपी के रूप में गायन है उनके जीवन का परिवर्तन श्रीमत, मुरली के द्वारा करते हैं इसलिए हमारे जीवन में मुरली का विशेष महत्त्व है। क्योंकि जितनी गहराई से हम मुरली सुनते हैं, पढ़ते हैं, समझते हैं, उतना सहज रूप से हम उनको फॉलो करते हैं, तो बाबा का बनना या बाबा का हाथ पकड़ना माना श्रीमत को मानना। और बाबा की श्रीमत को जब हम मानते हैं स्वीकार करते हैं, मानना सिर्फ बुद्धि तक नहीं.. सुनना, समझना, स्वीकार करना माना मानना पर सबसे आगे का महत्त्वपूर्ण कदम है- उस अनुसार चलना। क्योंकि ड्रामा के अन्दर ये सिद्धांत है, ये विधि है बाबा हमें जो कहेंगे, हमें बतायेंगे, समझायेंगे लेकिन हम अनुसार चलेंगे तो प्राप्ति का अनुभव करेंगे।

बाबा की श्रीमत को जब हम मानते हैं स्वीकार करते हैं, मानना सिर्फ बुद्धि तक नहीं.. सुनना, समझना, स्वीकार करना माना मानना पर सबसे आगे का महत्त्वपूर्ण कदम है- उस अनुसार चलना।

ड्रामा का नियम ये नहीं है कि जैसा सोचना वैसा पाना, जैसा करना वैसा पाना। इसलिए श्रीमत बुद्धि तक सीमित न रहे कर्म में आये, आचरण में आये, नित्य जीवन में धारण हो तब कहा जायेगा कि प्रैक्टिकल में बाबा का हाथ पकड़ा है। इसलिए बाबा कहते हैं कि बाबा से सच्चा प्यार है तो उस प्यार का प्रमाण है कि बाबा जो कहते हैं वो करना, इसलिए बाबा कहते हैं कि मुरली से प्यार माना मुरलीधर से प्यार। अगर मैं किसी से कहूँ कि मुझे आपसे बहुत प्यार है लेकिन जो आप कहेंगे वो मैं मानूंगी नहीं। तो उसको प्यार थोड़े कहा जायेगा! वो शब्दों का प्यार हो गया, वो दिखावे का प्यार हो गया सिर्फ भावना हो गई लेकिन प्रैक्टिकल नहीं। बाबा से प्यार माना जो बाबा कहते हैं उस अनुसार चलना।

- क्रमशः

फरीदाबाद-जवाहर कॉलोनी। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एनआईटी 86 फरीदाबाद के विधायक पंडित नीरज शर्मा को परमात्म स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुभद्रा बहन, ब्र.कु. पूजा बहन तथा ब्र.कु. ज्योति बहन।

मुज़फ्फरनगर-उ.प्र.। नये सेवाकेन्द्र 'दिव्य अनुभूति भवन' के उद्घाटन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी,शक्ति नगर,दिल्ली, राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी,मॉस्को,रशिया, राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी,सेंट पीटर्सबर्ग,रशिया, ब्र.कु. जयंती बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका तथा अन्य।

झुमरीतलैया-झारखण्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला प्रकोष्ठ द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में वुमेन क्लब मेम्बर्स के साथ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन।

कानपुर-केशव नगर(उ.प्र.)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम में श्रीमति रीता शास्त्री,उपाध्यक्ष,महिला मोर्चा,उ.प्र., राजयोगिनी ब्र.कु. दुलारी दीदी,उपक्षेत्रीय निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. शशि दीदी, ब्र.कु. सुनीता बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

अमलापुरम-आ.प्र.। शिव जयंती के अवसर पर आयोजित 'द्वादश ज्योतिर्लिंग प्रदर्शनी तथा 108 शिवलिंग दिव्य दर्शन' के उद्घाटन कार्यक्रम में म्युनिसिपल कमिश्नर वी.अय्यप्पा नायडू गरु, प्रिन्सीपल जूनियर सिविल कोर्ट जज श्रीलक्ष्मी गरु, म्युनिसिपल चेयरपर्सन आर.एस.एन. मणि गरु, ब्र.कु. श्रीदेवी बहन, ब्र.कु. स्वरूपा बहन तथा अन्य।

कुकुड़ाहांडी-ओडिशा। डॉ. कमल कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बसंती बहन तथा ब्र.कु. कुनी बहन।

कोटा जंक्शन(राज.)। 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के विंग की सेवाओं के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. उर्मिला बहन, डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता,प्रेसिडेंट,ब्लड बैंक सोसायटी कोटा कैंसर हॉस्पिटल, मुकेश गालव,महामंत्री,वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लॉय यूनियन कोटा, डॉ. जगदीश शर्मा, लायंस क्लब अध्यक्ष, डॉ. आर.के. तंवर,प्रोफेसर,विकरण कैंसर विशेषज्ञ मेडिकल कॉलेज, आर.के. शुक्ला,प्रिंसिपल,केन्द्रीय विद्यालय स्कूल, डॉ. भारती सक्सेना,प्रोफेसर,प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ,जेके लोन हॉस्पिटल, संजय शर्मा,लॉर्ड कृष्णा स्कूल के डायरेक्टर, रविकांत जी,राम मंदिर के अध्यक्ष, चंपा वर्मा,महिला मंडल अध्यक्ष,वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लॉय यूनियन तथा ब्र.कु. लक्ष्मी बहन।

बीदर-रामपुरे कॉलोनी(कर्नाटक)। रोट्री क्लब में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में महिला सशक्तिकरण विषय पर सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुनंदा दीदी। साथ में मंचासीन हैं रोटेरियन प्रणिता बिरादर,फर्स्ट लेडी,आरसीबीएनसी,बीदर, बहन तारामति जी एच,जेडी एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट,बीदर, रोटेरियन डॉ. शिल्पा बी.,गायनेकोलॉजिस्ट,गवर्नमेंट हॉस्पिटल बीदर तथा अन्य।

फरीदाबाद से.21डी-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'स्वर्णिम भारत की ध्वजवाहक महिलाएं' कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा, दिल्ली हरिनगर सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, हरियाणा टूरिज़्म के जनरल मैनेजर राजेश जून, ए टू जेड ग्रुप की चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर अलका जून, लोक उत्थान क्लब के अध्यक्ष आर.पी. हंस, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. रंजना बहन, ब्र.कु. रमेश भाई,मा.आबू, नमिता श्रीवास्तव,संयुक्त निदेशिका,पैरामेडिकल फोर्स,नई दिल्ली, नेहरू कॉलेज की प्रो. रुचिका बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

गंज बासोदा-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए एस.आई. प्रियंका दुबे,थाना गंज बासोदा, डॉ. रमेश सोनकर,पूर्व जिला स्वास्थ्य अधिकारी,विदिशा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रुकमणी बहन, ब्र.कु. रेखा बहन तथा अन्य।

धडगाव-महा.। नगर अध्यक्ष धना पाटिल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सरिता बहन।